एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

गायन

नवम प्रश्न पत्र

'' भारतीय संगीत का व्यवहारिक सिद्धांत''

- राग विलास खानी तोड़ी तिलक कामोद, अभोगी–जौनपुरी कान्हड़ा में से किन्हीं दो रागो का सम्पूर्ण शास्त्रीय परिचय (आलाप–तान, बोल तान) सहित दीजिये।

अथवा

- रागॉग के महत्व को विस्तार से समझाते हुए आसावरी और खमाज राग का विस्तृत विवेचन कीजिये।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

गायन

दशम प्रश्न पत्र

निबंध एवं रचना

भारतीय संगीत में गुरू शिष्य–परंपरा की उपदेयता विषय पर अपने विचार प्रकट कीजिये।

अथवा

निम्नांकित तालो में से किन्हीं दो तालो को ठाह, दुगुन और चौगुन की लयकारी में लीपिबद्ध कीजिये–तिलवाड़ा,आड़ा चारताल धमार, गजझंदा।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
मौखिक – एकादश पत्र

अपने पाठ्यक्रम के किसी एक राग में बड़ा ख्याल,छोटा ख्याल आलप तानों सहित लीपिबद्ध कीजिये।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
मौखिक – मंच–प्रदर्शन

पाठ्यक्रम के किसी एक राग में ध्रुपद अथवा धमार विभिन्न लयकारियो सहित लिपिबद्ध कीजिये।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
तबला नवम प्रश्न पत्र

उत्तर भारतीय ताल पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिये।

अथवा

प्राचीन शास्त्रों के आधार पर अवनद्य वादको के गुण–दोषो के विस्तार–पूर्वक समझाइये।

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर
तबला – दशम प्रश्न पत्र

निम्नांकित तालो में किसी एक ताल पर पेश्कार, कायदा रेला टुकड़ा आदि को लिपिबद्ध कीजिये (स्वतंत्र वादन)

अथवा

पाठ्यक्रम के किन्हीं दो तालो का परिचय देते हुए आड़ तिगुन की लयकारी में लीपिबद्ध कीजिये।